

- c. 1.), *s.ting on any one* : अवनिष्ठीवत् (f. ती), M. viii. 282. ; *s.out* : निष्ठीवति, N. xxii. 16. II. To run a s. through : शूलाकरोति, D.viii.
- SPIT (subs.) : I. What is s.ted : निष्कृतम्, M. iv. 132. II. For roasting : शूल (mn.). III. Of land. : खनित्रमेया भूमिः.
- SPITE (subs.) : I. Harted : q.v. : विद्वेषः. II. In s. of : v. Notwithstanding (II), despite.
- SPITE (v.) : द्वेष्टि (द्विष्, c. 2. : v. To hate, malign).
- SPITEFUL : (1) by adv. ; (2) सासूय (f. या) ; (3) विद्वेषिन् (f. णी).
- SPITEFULLY : (1) सासूयम् ; (2) साम्यसूयम् ; (3) द्वेषात् ; (4) विद्विष्टम् ; (5) द्रोहबुद्ध्या (=to injure).
- SPITEFULNESS : विद्वेषः : v. Harted, malignity.
- SPITTING (subs.) : (1) निष्ठीवः, -नम् ; (2) निष्ठेवः, -नम् ; (3) निष्कृतिः.
- SPITTLE : (1) लाला (=saliva) ; (2) निष्कृतम्, (what is spitted out).
- SPITTOON : (1) प्रतिग्राहः ; (2) पतद्ग्रहः, A.
- SPLASH : I. Verb : आस्फालयति, *which is s.ed by women* : आस्फालितं यत् प्रमदाकराग्रैः, R. xvi. 13. II. Subs. : expr. by adj. : आस्फालित (f. ता).
- SPLEEN : I. Lit. : (1) प्लीहन् (m.), *enlargement of s. : प्लीहविवृद्धिः, the disease called s. : प्लीहसंज्ञो गदः*, Bha. ; (2) गुल्मः (rare). II. Rage, mortification : q.v.
- SPLENDID : (1) माधुर (f. रा) : v. Brilliant. ; *s.sword* : मासुरोऽसिः, N. xvi. 18. ; (2) श्रेष्ठ (f. ष्ट) : v. Excellent ; (3) वृन्दिष्ठ (f. ष्टा) : v. Chief ; (4) प्रशस्त (f. स्ता) : v. Praise-worthy.
- SPLENDIDLY : (1) by comp. ; *s. dressed* : उज्ज्वलवेशधारिन् (f. णी), Mr. ix. ; (2) प्रशस्तम् : v. Excellently.
- SPLENDOUR : (1) औज्ज्वल्यम् : v. Brilliancy ; (2) शोभा ; : v. beauty ; (3) तेजस् (=lustre), *in s. to sun* : तेजसा सवित्रा, K.
- SPLENETIC : I. Lit. : प्लीहरोगिन् (f. णी) and sim. comp.s. II. Peevish : q.v. : कर्कश (f. शा).
- SPlice : संयोजयति (युज्, c. 10.) : v. To unite.
- SPLINT : in medicine : perh. : आलम्बः.
- SPLINTER : I. Subs. : काष्ठखण्डम् and sim. comp.s (?). II. Verb : विदारयति (c. of दृ) : v. To shiver, rend.
- SPLIT : I. Intrans. : (1) स्फुटति, प्र-, वि-, परि- (स्फुट्, c. 1.), *heart is s.ting* : स्फुटति हृदयम्, Mr. iii. ; (2) दीर्यते, वि-, (pass. of दृ), *sound of s.ting rock* : विदीर्यमाणारमनिनादः, Ki. II. Trans. : स्फोटयति (c. of स्फुट्) ; (2) विदारयति (c. of दृ). III. Subs. : (1) expr. by verb ; (2) छिद्रम् (= hole)
- SPLUTTER : मकमकायते (nomi).
- SPOIL (v.) I. To destroy, defile : q.v. : दूषयति (c. of दुष्). II. To plunder : लुण्ठति, परि-, (लुण्ठ्, c. 1.).
- SPOIL (v.i.) : (1) नश्यति, वि- (नश्, c. 4.) ; (2) नष्टीभवति ; (3) नाशमेति, -उपैति, etc.
- SPOIL (subs.) : (1) युद्धलब्धधनम्, and sim. comp.s. ; (2) लुण्ठितम्, परि- (=plundered).
- SPOILER : I. Destroyer, defiler : (1) नाशयित् (f. त्री) ; (2) दूषक (f. षिका) ; etc. II. Plunderer : लुण्ठाक (f. की).
- SPOKE : (1) अरम् or भारा, *a row of s.s* : आरावली, V. iv. ; (2) सक्थि, *a cart with long s.s* : दीर्घ-सक्थि शकटम्, S.k.
- SPOKESMAN : (1) मुखम्, *therefore you become my s. : तत्त्वं मे मुखं भव*, V. i. ; (2) वक्त्र (m. = speaker : q.v.).
- SPOILIATION : (1) लुण्ठनम्, परि- (=plunder) ; (2) हरणम्, अप- (=carrying off).
- SPONDAIC : *s. foot* : गो (m. dual).
- SPONDEE : गो (m. dual).
- SPONGE : I. Subs. : *स्पञ्जम्. II. Verb : *स्पञ्जेन माष्टि or मार्जयति, परि-, सं- (मृज्, c. 2. and 10.).
- SPONGE CAKE : पिष्टकविशेषः.
- SPONGINESS : *स्पञ्जामता and sim. comp.s.
- SPONGY : *स्पञ्जाम (f. मा) and sim. comp.s.
- SPONSOR : (1) *प्रतिष्ठातृ (f. त्री) ; (2) धर्मप्रतिभूः.
- SPONSORSHIP : (1) *प्रतिष्ठान्त्वम् ; (2) धर्मप्रातिभाव्यम्.
- SPONTANEITY : expr. with adv. : *s. of movement* : स्वेच्छया गमनशीलत्वम्.
- SPONTANEOUS : expr. by स्वेच्छातः or स्वेच्छया.
- SPONTANEOUSLY : (1) स्वेच्छया ; (2) स्वेच्छातः ; (3) स्वेच्छानुसारेण, etc.